(घ) और (ङ) 31.3.1991, 31.3.1992, 31.3.1993, 31.3.1994 तथा 31.3.1995 के अंत तक केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उद्यमों में कार्यरत अनियमित कर्मचारियों सहित कर्मचारियों की कुल संख्या क्रमशः 23.06 लाख, 22.80 लाख, 22.21 लाख, 21.53 लाख और 21.08 लाख थी।

विद्युत परियोज़नाओं के लिए कोयले का आवंटन

819. श्री रामजीलाल : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास इस समय अच्छी किस्म का कोयला उपलब्ध है;

(ख) यदि हां, तो गत् दो वर्षों के दौरान प्रत्येक राज्य में विभिन्न विद्युत परियोजनाओं को कितना-कितना कोयला प्रदान किया गया;

(ग) क्या इस कोयले के प्रयोग के कारण विद्युत का कम उत्पादन होता है; और

(घ) प्रत्येक विद्युत परियोजना को अच्छी किस्म के कोयले की आपूर्ति कब तक की जाएगी?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कांति सिंह): (क) विद्युत गृहों के लिए उयुक्त गुणवत्तवाला कोयला पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

(ख) कोल इंडिया लि० तथा सिंगरैनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड द्वारा वर्ष 1994-95 तथा 1995-96 के दौरा विभिन्न विद्युत संयंत्रों को आपूर्तित किए गए कोयले की मात्रा का राज्यवार ब्यौरा संलग्न विवरण दिया गया है। (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) तापीय विद्युत गृहों को अधिकांशतः पर्याप्त मात्रा में तथा सहमति हुई कोयले की मात्रा की आपूर्ति कर दी गई है, जिसके लिए उनके बायलरों को अभिकल्पित किया गया है। विद्युत गृहों को आपूर्ति किये जा रहे कोयले की मात्रा के संबंध में आमतौर पर, यदि कोई शिकायत प्राप्त होती है तो वह कोयले में अवशिष्ट सामग्री के होने तथा बड़े आकार के कोयले की आपूर्ति किये जाने के संबंध में भी होती है। इन शिकायतों की प्रत्येक मामले में गुणवगुण आधार पर समीक्षा की जाती है और उपभोक्ताओं की शिकायतों को कम किये जाने हेतु कार्रवाई की जाती है।

विवरण

विद्युत गृहों के आपूर्तित किया गया कोयला

(लाख टन में)

राज्य	1994-95	1995-96
पश्चिम बंगाल	152.52	164.20
बिहार	63.70	76.23
उत्तर प्रदेश	289.48	339.92
उड़ीसा	15.59	29.92
मध्य प्रदेश	285.18	308.46
महाराष्ट्र	253.43	277.62
गुजरात	128.55	136.84
राजस्थान	33.28	39.10
दिल्ली	61.45	49.84
पंजाब	58.69	63.83
हरियाणा	28.02	25.62
तमिलनाडु	101.13	101.67
आंध प्रदेश	183.96	222.75
कर्नाटक	33.21	36.67
असम	3.18	4.01
अन्य	—	0.77*

*विभिन्न विद्युत गृहों के मामले में समायोजन आधनी।

Decline in procurement target for wheat

820. DR. D. VENKATESHWAR RAO: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether procurement target for wheat set by his Ministry has been severely upset with trends showing a decline of 20% in procurement during current rabi season;

(b) if so, main reasons for the short fall;

(c) the extent to which there has been a short fall of wheat;

(d) if so, whether Government is confident of achieving target of 13 million tonnes; and

(e) whether the latest trends show that wheat and rice production has already crossed the target?